एजेंट ऑरेंज

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

30 अप्रैल 2025 को **वियतनाम युद्ध (1954-75) अंत के 50 वर्ष पूरे हुए।** युद्ध अंत के पश्चात् भी वियतनाम के असंख्य लाख अभी भी**एजेंट ऑरेंज के चिरकालिक प्रभावों** से पीड़ित हैं, जो **युद्ध के दौरान अमेरिकी द्वारा उपयोग में लाया गया** एक विषैला रसायन है।

- **एजेंट ऑरेंज:** यह शाकनाशियों (Herbicides) का मिश्रण है जिसका उपयोग **वृक्षों और झाड़ियों को पत्र रहित करने** के लिये किया जाता है, जिससे दुश्मन सैनिकों को छिपने की जगह नहीं मिलती।
  - यह दो शाकनाशियों (**2,4-D** और **2,4,5-T**) को मिलाकर बनाया गया था, जिसमें **अत्यधिक विषैले संदूषक डाइऑक्सिन का मिश्रण था।**
  - **मानव शरीर** में डाइऑक्सिन का अर्द्ध-आयु काल **20 वर्ष** तक होता है तथा मृदा और जल में यह 100 वर्षों तक बना रह सकता है, **जिससे दीर्घकालिक संदूषण होता है।**
    - रेडियोधर्मिता में, **अर्द्ध-आयु वह काल है जो किसी रेडियोधर्मी प्रतिदर्श के आधे परमाणुओं के क्षय में लगता है।**

प्रभाव:

- स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे- जन्मदोष, **कैंसर**, **मधुमेह** और **तंत्रिकीय विकार**।
- **जिन क्षेत्रों पर इस रसायन का छिड़काव किया गया वे वर्षों तक कृषि के लिये अनुपयुक्त रहे** , जिससे वन्य जीवन, मृदा गुणवत्ता को गंभीर नुकसान पहुँचा, तथा आजीविका में बाधा उत्पन्न हुई, तथा पारिस्थितिकी तंत्र पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा।
- **वियतनाम युद्ध:** यह हो ची मिन्ह के नेतृत्व वाली साम्यवादी उत्तरी वियतनाम (साइगॉन) और अमेरिका द्वारा समर्थित दक्षिण वियतनाम सरकार के बीच संघर्ष था।
  - यह अमेरिका और सोवियत संघ के बीच **व्यापक शीत युद्ध** का हिस्सा था, जिसमें उत्तरी वियतनाम को साम्यवादी सहयोगियों (सोवियत संघ और चीन) का समर्थन प्राप्त था।

और पढ़ें: शीत युद्ध

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/agent-orange